1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दों की समस्या व्याख्या कीजिए: 8 x 2

(क) काम काम को सिखाता है, चार-पाँच घण्टे मेरे साथ काम करते साथी को भी दंग मालूम हो गया, आखिर मैं भी तो यही काम और उसके तजरबे को सीख रहा था। गाँव में पहुँच कर मैंने लोगों को नाव पर चढ़ने के लिए कहा।
(ख) भला ऐसे अन्धेर हो सकता है! जहाँ मालिक वहाँ नौकर-मालिक को लेजाकर बंद कर देने से इतना अन्याय नहीं, पर नौकर को अकेले मुक्त छोड़ देने में पहाड़ के बराबर अन्याय है।

(७) सिर चकराता है और सिर के अन्दर ‘बैकुआम’ जैसा लगता है। आँखों के बीच सर्प के फूल नजर आते हैं। डॉक्टरों ने कोई सिरियस रोग बताया है जिसका सम्बन्ध-नाक तथा आँख के जरिये-दिमाग से हैं। भगवान उनको चंगा करें।

(८) लोक के प्रति करुणा जब सफल हो जाती है, लोक जब पीड़ा और विच्छेदाध्य शे मुक्त हो जाता है, तब रामराज्य में जाकर लोक के प्रति प्रेम-प्रतिवाद का, प्रजा के रंजन का, उसके अधिकाधिक सुख के विधान का, अवकाश मिलता है।

2. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए: 12 x 2

(क) 'रेखाचित्र' की विशेषताओं के आधार पर 'चीनी फेरीवाला' की समीक्षा कीजिए।

(ख) 'यात्रा के लिए निकलती है बुद्धि पर हद दिख को साथ लेकर' — 'क्रोध' नियंत्रण के आधार पर इस कथन की पुष्टि कीजिए।

(PG/TVS/HIN-401/15) (Continued)
(3)

(७) "‘ऋणजल धनजल’ में व्यापक मानवीय पीड़ाबोध की अक्ष कथा का वर्णन है।" —प्रमाणित कीजिए।

(८) पठित निबन्धों के आधार पर हरिशंकर परसाई के व्यंग्य—वैभव का मूल्यांकन कीजिए।